वर्ष-37 दिसंबर - 2016 अंक -8 रु.10/-

हिन्दी प्रचार वाणी

अमर आत्मा को कोटि-कोटि नमन्

तुम स्वर्ग गये इस धरती से नाम तुम्हारा जीवित है । देह तुम्हारी मरी मगर आदर्श तुम्हारा जीवित है

अरविंद घोष

मैथिलीशरण गुप्त

सरदार वल्लभभाई पटेल

सुचेता कृपलानी

रामचन्द्र द्विवेदी'प्रदीप

इलाचन्द्र जोशी

महावीर प्रसाद द्विवेदी

सुमित्रानंदन पंत

रामप्रसाद बिस्मिल

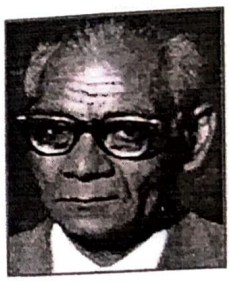
यशपाल

जैनेन्द्रकुमार

श्री रघुवीर सहाय

डॉ.बी.आर.अम्बेडकर

विक्रम साराभाई

एम.जी.रामचन्द्रन

ज्ञानी जेल सिंह

पी.वी.नरसिंहराव

डॉ.शंकर दयाल शर्मा

रामधारी सिंह 'दिनकर'

PRINCIPAL

कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, चामराजपेट, बेंगलोर-18.

RNI.No.KARHIN/2009/29806 **HINDI PRACHAR VANI** Date of Publication on 10th of every Month
BG.RNP/KA/BGS-2124/2015-2017 TOTAL PAGES : 32+4=36 POSTED AT BG.PSO. Mysore Road
Licensed to Post without pre-payment Licensed No. WPP-200 BANGALORE - 560026

बेंगलूरु हैस्कूल मे संपन्न हिन्दी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बेंगलूरु के प्रायोगिक वर्ग के अंतिम दिन श्री बसवानन्द प्रकाश जी सहायक प्राध्यापक को स्मृति स्वरुप भेंट देती हुई प्राध्यापिका डॉ.(श्रीमती)टी.एस.उषाराणी चित्र मे दर्शित हैं । दूसरे चित्र मे साथ मे कॉलेज की छात्राएँ दर्शित हैं ।

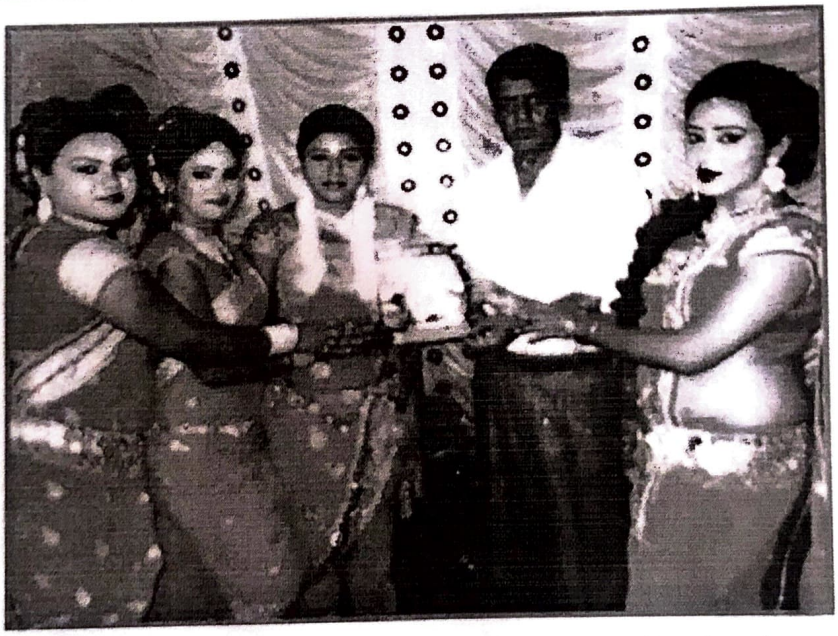

मराठी फिल्म अभिनेत्री सुरेखा पुणेकर तथा अन्य कलाकारो को रमेश यादव, इन्दौर, हिन्दी प्रचार वाणी मासिक पत्रिका भेट करते हुए दर्शित हैं ।

5001

SMT SANDHYA DATTA KADAM
DIVEKAR COLLEGE OF COMMERCE
KODIBAG.KARWAR
NARTH KENARA-DIST

If undelivered please return to
KARNATAKA MAHILA HINDI SEVA SAMITHI
NO. 178, 4th Main Road, 6th Cross,
Chamarajpet,
Bangalore-560 018
Phone : 080-26617777

कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, चामराजपेट, बेंगलोर की ओर से श्रीमती बी.एस. शांताबाई, एम.ए., द्वारा के.एम.एच.एस.एस. प्रेस, 178, चौथा मैन रोड, चामराजपेट, बेंगलोर-18, मे मुद्रित, प्रकाशित एवं संचालित। दूरभाष : 26617777 E-mail: kmhsbg@yahoo.com

इस संसार में आलसी व्यक्ति कभी सुखी एवं समृद्ध नहीं हो सकता क्योंकि जो सोएगा वह खोएगा, जो जागेगा वह पाएगा । लक्ष्मी की कृपा जागने वाले पर ही होती है । बकरी के मेमने सोए हुए भेड़िए के मुंह में अपने आप नहीं आ जाते । मेहनत करनी पड़ती है । गिरी खाने के लिए बादाम को तोड़ना ही पड़ेगा । नदी टूट जाने पर बांध का क्या फायदा, नदी सूख जाने पर नाव किस काम की और दूध बिखर जाने पर चिल्लाने से क्या लाभ । समय की कद्र करना बच्चे बचपन में सीख जाएं । समय हमारे ऊपर से उड़ जाता है और अपनी छाया पीछे छोड़ जाता है । अतः वक्त को पकड़ कर उसे कर्म रूप में ढाल लेना चाहिए । आज की सुबह नहीं जानती कि शाम को क्या होगा, अतः सुबह ही सब काम निपटा लें । सुअवसर अक्सर दूसरी बार कम ही आता है क्योंकि आने वाला कल, बीते हुए कल से कभी ज्यादा अच्छा नहीं होता ।

अमर ही रहना

-श्रीमती संध्या दत्ता कदम

मन को यूँ कभी मायूस न करना
मन बेचारा बिखर न जाय
मन को इतना कठोर न करना
मन मुर्झाकर टूट न जाय ।

मन को मध्यम रखते जाना
मन, मनों को मोहते जाय
मोहित मन को मगज में भेजना
मति, गति सीधी रह जाय ।

मन के पीछे कभी न भागना
करा-धरा, खाली न हो जाय
नाम के पीछे तुम न दौडना
यहाँ से खाली बिदा हो जाय ।

ऐसा तुम कुछ कर दिखलाना
समय ज़रा सा वसुधा को देना
मन मंदिर में माँ की सूरत
अवलोकित हो जग मगाय ।

अवधूत रिपु तू शत्रुकंटक
बन सिर छेद्न करता जाय
लाख बाधाएं आए तुमपर
धरती पर आँच न आय ।

कदम-कदम पर रक्षक बनकर
पुत्र-पुत्रियों को फैलाया जाय
देखो फिर देश की शांती बनी रहेगी
भारत माता गर्व से सदा मुस्कुराएगी ।

केनरा वेल्फेर ट्रष्टस्
दिनेकर कालेज आँफ कामर्स
कोडीबाग, कारवार-581301
जिल्हा उत्तर कन्नड, राज्य-कर्नाटक
संपर्क-09448796762